हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

तापमान
अधिकतम 15 .6 डिग्री
न्यूनतम 9 .8 डिग्री

10 पहली बार सीजन का घना कोहरा वाहनों की रफ्तार पर लगे ब्रेक

10 चार साहिबजादों के बलिदान जैसी मिसाल पूरी दुनिया में नहीं :डा. यादव

खबर संक्षेप

कोर्ट से घोषित दो पीओ भेजे जेल

रेवाड़ी। पुलिस ने कोर्ट से घोषित दो पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने माजरी गुर्जर निवासी कबूल को एक मामले में पीओ घोषित किया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश हुए थे। पुलिस ने 12 दिसंबर 2019 को उसके खिलाफ केस दर्ज किया था। तभी से आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर था। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शास्त्री नगर निवासी अमिताभ के खिलाफ 11 नवंबर 2022 को अवमानना का केस दर्ज किया था। उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

झगड़े के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने प्राणपुरा में झगड़ा करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दो पक्षों के बीच विवाद के चलते पुलिस ने प्राणपुरा निवासी लालाराम के खिलाफ 29 सितंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उस पर पीड़ित पक्ष की ओर से झगड़ा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी पुलिस गिरफ्तार से बाहर चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज के लिए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। जब उनके बीच बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 13 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में खैरथल निवासी अविनाश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

लूट व आर्म्स एक्ट का आरोपी चढ़ा हत्थे

धारूहेड़ा। पुलिस ने हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इसी साल धारूहेड़ा क्षेत्र में हथियारों के बल पर लूट की वारदात के बाद 25 जनवरी को केस दर्ज किया था। अन्य आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। एक आरोपी यूपी के घोसाई बेटा निवासी फैजान फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पोक्सो एक्ट का आरोपी अभिरक्षा में लिया

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में एक नाबालिग आरोपी को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 18 दिसंबर को आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़िता का सामान्य अस्पताल से मेडिकल भी कराया गया था। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के अलवर जिले के एक गांव निवासी नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया।

एनआई एक्ट के तहत एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एनआई एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डबल फाटक रोड निवासी दीपक शर्मा के खिलाफ कोर्ट में चेक बाउंस का केस चल रहा था। केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उसे इस मामले में दोषी पाया। कोर्ट ने उसे गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

ब्रास मार्केट व नई अनाजमंडी में लंबे समय सरकारी जमीन पर ट्रांसपोटर्स का कब्जा

प्रशासन की ढील से सड़कों पर वाहनों का कब्जा सिरदर्द बनी अवैध पार्किंग, बन रहे जाम के हालात

विभागों में तालमेल की कमी के कारण नहीं हट रही प्राइवेट बसें

हेमंत शर्मा ▶▶ रेवाड़ी

सरकुलर रोड सहित मुख्य मार्गो व बाजार में अवैध पार्किंग शहर में सिरदर्द बनी हुई है। शहर के ब्रास मार्केट व नई अनाजमंडी में प्राइवेट ट्रांसपोर्टरों ने लंबे समय से अवैध कब्जा किया हुआ है। ट्रांसपोर्टरों की बसों के अलावा प्राइवेट स्कूलों व कॉलेजों की बसें भी नई अनाजमंडी व ब्रास मार्केट में खड़ी की जा रही है। अनाजमंडी में फसल आने के समय ट्रांसपोर्टरों की ओर से फड़ों से अपनी बसें हटा ली जाती है तथा फसल का सीजन जाते ही फड पर फिर से बसें खड़ी करके कब्जा कर लिया जाता है। प्रशासन की ओर से अवैध पार्किंग को लेकर सड़कों पर व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है, जिससे शहर में व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। शहर में पार्किंग के स्थान नहीं होने के कारण भी लोगों को मजबूरन सड़कों पर वाहनों को खड़ा करना पड़ रहा है।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर लगा वाहनों का जाम। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर अवैध पार्किंग में खड़े वाहन

विभागों में तालमेल की कमी के कारण समस्या ज्यों की त्यों बनी

ब्रह्मगढ़ के सामने ब्रास मार्केट की जमीन पर टांसपोटर्स लंबे समय से अपना अस्थाई कब्जा जमाए हुए है। मार्केट में दिन-रात बड़ी संख्या में प्राइवेट बस और अन्य वाहन खड़े रहते हैं। अधिकांश बसें बड़े ट्रांसपोर्टरों की हैं, जो कंपनियों का स्टाफ उठाने और छोड़ने के बाद ब्रास मार्केट में खड़ी कर दी जाती हैं। ट्रांसपोर्टरों ने प्राइवेट बसों को खड़ा करने के लिए ब्रास मार्केट को ही अड्डा बनाया हुआ है। ब्रास मार्केट में अवैध पार्किंग का मुद्दा कई बार उठाया जा चुका है, लेकिन विभागों में तालमेल की कमी के कारण समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। यही हाल नई अनाजमंडी का है, जहां ट्रांसपोटर्स की ओर से बसें खड़ी की जा रही है। यहां तक कि कई शिक्षण संस्थानों की बसें भी अनाजमंडी में ही खड़ी की जा रही है।

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में खड़ी प्राइवेट बसें। फोटो : हरिभूमि

सरकुलर रोड पर जगह-जगह अवैध पार्किंग

शहर में वाहनों को खड़ा करने के लिए कही भी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। नगर परिषद हाउस की बैठक में कई बार पार्किंग का मुद्दा उठाया जा चुका है। इसके बाद नप अधिकारियों की ओर से शहर का विजिट करके 5-6 जगह चिन्हित कर ली जाती है, लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। मेन बाजार व नाईवाली सब्जीमंडी में आने वाले लोगों के लिए अपने वाहन खड़े करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। बाजार में आने वाले लोग गोकल गेट चौकी से रेलवे रोड तक सड़क पर वाहन खड़ा करके चले जाते है, वहीं सब्जीमंडी में आने वाले लोगों ने नाईवाली पुल को पार्किंग स्थल बनाया हुआ है। इसके अलावा सरकुलर रोड पर जगह-जगह अवैध पार्किंग बनी हुई है, जिससे रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है।

मुख्य सड़कों पर बन गई परमानेंट पार्किंग

सरकुलर रोड पर बस स्टैंड के बाहर, अंबेडकर चौक, धारूहेड़ा चुंगी, रेलवे रोड, कानोड गेट, झज्जर चौक, ट्रामा सेंटर के पास, बावल रोड, ब्रास मार्केट, अनाजमंडी, नगर परिषद के पास, नाईवाली पुल व मेन बाजार में वाहन चालकों ने परमानेंट पार्किंग बना ली है। इन जगहों पर एक वाहन जाता है तो दूसरा खड़ा हो जाता है। मॉडल टाउन में महाराणा प्रताप चौक से शिव चौक के बीच व शिव चौक से बस स्टैंड मार्ग पर पूरे दिन सड़क पर वाहन खड़े रहते है, जिससे कई बार निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सरकुलर रोड पर सबसे ज्यादा अव्यवस्था स्कूलों, बैंक व प्राइवेट अस्पतालों के बाहर देखी जा सकती है। जहां पर लोग सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से वाहन खड़ा करने चले जाते है।

सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर संघर्ष कमेटी का ट्रैक्टर मार्च, ग्रामीणों ने सरकार से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी की ओर से रविवार को एनएच-71 से 500 मीटर की दूरी पर सरकारी अस्पताल या ट्रामा सेंटर खोलने के सरकारी वायदे से मुकरने के विरोध में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया, जिसमें 80 गांवों के 125 ट्रैक्टर शामिल हुए। ट्रैक्टर मार्च का नेतृत्व आंदोलन के संयोजक अनिल कुमार ने किया। कमेटी के अध्यक्ष वयोवृद्ध लाल सिंह ने हरीझंडी दिखाकर मार्च को रवाना किया। ट्रैक्टर मार्च शहर व विभिन्न गांवों से होते हुए वापस धरना स्थल पर सम्पन्न हुआ।

शहर वासियों व ग्रामीणों ने ट्रैक्टर मार्च को अपना पूर्ण समर्थन दिया। मीरपुर में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धाजंलि दी गई।

रेवाड़ी। अस्पातल की मांग को लेकर ट्रैक्टर मार्च निकालते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

जनता के सवालों का जवाब दें

संघर्ष कमेटी की ओर से कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव सिंह से आग्रह किया कि वे जनता के सवालों का जवाब दे। कमेटी के प्रतनिधि मंडल के मिलने पर मुख्यमंत्री ने मांग को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया था। केंद्रीय मंत्री ने गांव में हॉस्पिटल बनाने का वायदा किया था और रेवाड़ी वॉटर वर्क्स के लिए 10 एकड़ जमीन भी मांगी थी। 10 एकड़ जमीन की तो रजिस्ट्री हो गई, परंतु हॉस्पिटल बनाने से इनकार कर दिया गया। भगवानपुर की पंचायती जमीन 7 एकड़ 7 कनाल 9 मरला के केस तैयार करके निदेशक पंचायत एवं विकास हरियाणा को भेज दिया गया था। ऑथोरिटी ने सब लिहाज से एनएच-71 पर जगह को सूटेबल बताया था, इसके बावजूद बीडीपीओ को शहबाजपुर खालसा का प्रस्ताव भेजने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि 2019 में वर्तमान सिविल हॉस्पिटल को शिफ्ट करने का फैसला भाजपा सरकार का ही था, जिन कारणों से शिफ्ट करने की बात थी, वे कारण आज भी वजूद में है। संघर्ष कमेंटी ने कहा कि हॉस्पिटल पूरे समाज के लिए है।

अभियान के तहत पुलिस की विभिन्न टीमों ने संवेदनशील, भीड़भाड़ वाले व अपराध प्रभावित क्षेत्रों में चैकिंग की

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत चार नशा तस्करों पर कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत जुआ-सट्टा, नशा, अवैध हथियार और अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों पर नकेल कसी जा रही हे। अभियान के तहत पुलिस की विभिन्न टीमों ने संवेदनशील, भीड़भाड़ वाले तथा अपराध प्रभावित क्षेत्रों में चैकिंग की। अभियान के दौरान पुलिस ने नशा तस्करी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने चान्दनवास से आशियाकी रोड पर नाकाबंदी कर एक बाइक पर सवार तीन नशा तस्कर अरुण निवासी गांव नुरगढ़ जिला गुरुग्राम, रोहित सोनी उर्फ टिंडा व चिराग निवासी गांव चान्दनवास को 1.92 ग्राम हेरोइन सहित धर दबोचा था। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नशीला पदार्थ हेरोइनसुमित निवासी गांव खोड जिला गुरुग्राम ने उपलब्ध कराया था।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी रोहित, अरुण व चिराग व पुलिस गिरफ्त में आरोपी सुमित।

अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की तुरंत दें जानकारी

मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ थाना रोहड़ाई में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले के सभी गांवों के सरपंचों, पुलिस मित्रों, सामाजिक प्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से अपने-अपने क्षेत्र में नशा बेचने वालों, जुआ खिलाने वालों या अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

ट्रक की टक्कर से पिकअप क्षतिग्रस्त, चालक घायल

■ डाक्टर ने घायल को रेवाड़ी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली बाइपास से धनिया रोड पर वीरवार को हुई सड़क दुघर्टना को लेकर महेंद्रगढ जिले के करोता गांव निवासी पिकअप चालक ने अज्ञात ट्रक चालक पर दुर्घटना कर घायल करने व पिकअप को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में मामला दर्ज कराया है। पिकअप चालक प्रदीप ने बताया कि वीरवार शाम वह गाडी लेकर कोसली बाइपास से धनिया रोड की तरफ जा रहा था कि सामने से एक ट्रक ड्राइवर ने अपने ट्रक को लापरवाही व तेज गति से चलाते हुए सीधे पिकअप गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे पिकअप गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा उसे काफी चोटें आई। आसपास के लोगों ने उसे कोसली अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टर ने उन्हें रेवाड़ी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

राज्य स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न, नंबरदार बोले, सरकार नियुक्ति पर लगी रोक हटाने की जल्द करे घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

बाल भवन में रविवार को हरियाणा के नंबरदारों का राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता उदयराज राव नंबरदार मीरपुर ने की। सम्मेलन में राज्य के अधिकांश जिलों गुरुग्राम,अम्बाला, कुरुक्षेत्र,चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, मेवात, फरीदाबाद व सोनीपत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर उदयराज राव नंबरदार ने कहा कि विरासत-इंतकाल में नंबरदारों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने नंबरदारों से आह्वान किया कि एसआईआर प्रक्रिया एवं सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार में पूर्ण सहयोग करें। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि सरकार नंबरदारों का राज्य स्तरीय सम्मेलन जल्द बुलाए और नंबरदारों की नियुक्ति पर लगी रोक को हटाने की घोषणा जल्द करें।

रेवाड़ी। सम्मेलन में नंबरदारों को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

कार्यक्रम में गुरुग्राम से डा. विजय सिंह नंबरदार, राजकुमार जांगड़ा महेंद्रगढ़, फुलसिह नंबरदार, कर्मबीर सरोहा सोनीपत, कश्मीरी लाल, इल्म सिंह अंबाला, राजेश चरखी दादरी, फकरुद्दीन नूंह, जयपाल फरीदाबाद, अर्जुन सिंह नंबरदार, जसवंत सिंह बिहारीपुर, धर्मबीर मुरादपुरी, विकास यादव गुरावड़ा, राजरानी महिला नंबरदार, कृष्ण कुमार तहसील प्रधान मनेठी, बीर सिंह सोहना व राजवीर सिंह नांगल चौधरी सहित अनेक नंबरदार मौजूद थे।

भक्ति संगीत कार्यक्रम व नेत्र जांच कैंप 26 को

कोसली। गुड़ियानी गांव के संत सेवादास चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 26 दिसंबर को भक्ति संगीत कार्यक्रम व आंखों के रोगियों के लिए निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान सुभाष राजौरा ने बताया कि इससे पूर्व 25 दिसंबर को गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसका शुभारंभ बाबा मंजेशनाथ व सरपंच नरेंद्र कुमार करेंगे। कार्यक्रम में भजन गायक पंडित धर्मवीर जाटोली, पिंकी शर्मा हांसी, अमीषा चौहान नोएडा व रीना यादव अटेली अपने भजनों से संतों की महिमा का गुणगान करेंगे।

सचिवालय के पीछे लगे कचरे के ढेर, आग लगने से बढ़ रहा प्रदूषण

एचएसवीपी नहीं ले रहा जमीन की सुध

■ एक बार फिर कचरे में ढेर में लगाई गई आग, फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला सचिवालय के ठीक पीछे खाली पड़ी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन पर भारी मात्रा में कचरा डाला जा रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी अपने कार्यालय से चंद मीटर की दूरी पर अपनी जमीन खाली कराने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, जिससे यहां कूड़े के अंबार लगे हुए हैं। कूड़े में आग लगने के बाद प्रदूषण की समस्या बढ़ती है। शनिवार की शाम भी किसी ने कूड़े में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। इनलैंड कंटेनर डिपो के पास एचएसवीपी की खाली जमीन पड़ी हुई है। इस जमीन पर कबाड़ियों से लेकर शहर तक का कचरा डाला जा रहा है। इस बेशकीमत जमीन को लंबे समय से अस्थाई डंपिंग स्टेशन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस समय एचएसवीपी की जमीन पर भारी मात्रा कचरा पड़ा हुआ है। शनिवार की शाम किसी ने कचरे में आग लगा दी, जिससे आसमान में धुआं के गुब्बार छा गए। मॉडल टाउन थाना पुलिस आग की सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। काफी देर बाद आग पर काबू पाया गया। आग किसने लगाई, इस बात की जानकारी किसी को नहीं है।

रेवाड़ी। कूड़े के ढेर में लगी आग पर काबू पाते दमकलकर्मी। फोटो : हरिभूमि

पहले भी दिए जा चुके नोटिस

चूंकि यह जमीन एचएसवीपी की है, इसलिए इस पर डाले जाने वाले कचरे पर रोक लगाने की जिम्मेदारी भी उसी की है। पूर्व में इस जमीन पर कूड़े के ढेर जलाने पर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ओर से प्राधिकरण को नोटिस भी दिए गए थे, परंतु प्राधिकरण के अधिकारियों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इस समय जमीन पर कूड़े के ढेर पड़े हुए हैं, जिन्हें जलाने से प्रदूषण का स्तर बढ़ता है। प्राधिकरण के अधिकारी कार्यालय के पास होने के बावजूद इस जमीन को साफ नहीं करा रहे हैं।

कद्दू के मुख्य सड़क मार्ग पर जमा गंदे पानी

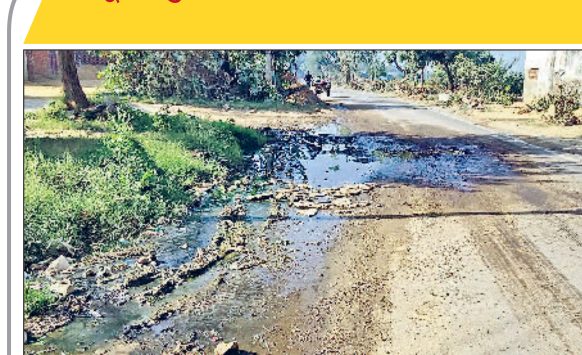

रेवाड़ी। गांव कद्दू भवानीपुरा में मुख्य सड़क पर बने गड्ढे में जमा गंदा पानी।

__रेवाड़ी।__ गांव कद्दू-भवानीपुरा में मुख्य सड़क मार्ग पर जमा हो रहे गंदे पानी से गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे रोजाना हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने इस सड़क मार्ग से गंदे पानी की निकासी व गड्ढों को दुरुस्त करने की मांग की है। ग्रामीण ओमप्रकाश, अभय सिंह, सत्यपाल, विनोद, देशराज, देवीलाल, सतबीर, रणजीत, रमेश ने बताया कि गांव के मुख्य सडक मार्ग नांगल मूंदी-चौकी नंबर 11 पर गांव के घरों का गंदा पानी जमा रहा है। पानी की सही निकासी नहीं होने के कारण यह सड़क पर पिछले कई महीनों से जमा हो रहा है। पानी जमा होने से सड़क पर अब गहरे गड्ढे भी बन गए है, जिससे अनेक दो पहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो चुके हैं। इस समस्या को लेकर उन्होंने संबंधित विभाग को अवगत भी कराया है, लेकिन न तो यहां से पानी की निकासी हो रही है और न ही इन गड्ढों को भरा जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मुख्य सडक मार्ग से पानी की निकासी की जाए और गड्ढों को भरा जाए ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सकें।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छीटें मारने लगी । शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाज़ों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ , तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी ।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें' – घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी ।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया । सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ । शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है । सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?₹ घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता

भूपसिंह भारती

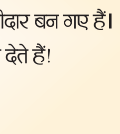

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता

सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न ग़लत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक जिम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार

सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की डुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श

डॉ. चंद्र त्रिखा

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं । लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

खबर संक्षेप

कमेटी ने चलाया स्वच्छता अभियान

महेंद्रगढ़। माता भूरा भवानी मंदिर कमेटी एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सिसोठ के सदस्यों ने दिसंबर माह में लगातार तीसरे रविवार को सफाई अभियान चलाकर माता भूरा भवानी मंदिर के मुख्य मार्ग की सफाई की। मंदिर कमेटी के प्रेस सचिव एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम के सदस्य मुकेश चौहान व मंदिर कमेटी के पूर्व प्रधान एवं संरक्षक प्रेमचंद सिसोठिया, मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव ने बताया कि जहां स्वच्छता होती है।

यदुवंशी में यदुराइज परीक्षा का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में यदुराइज परीक्षा द्वितीय चरण का आयोजन रविवार को कक्षा प्रथम से 11वीं तक अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों व अभिभावकों की भारी भीड़ देखने को मिली। जिससे परीक्षा की लोकप्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय के प्रिंसिपल नरेश यादव ने परीक्षा में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की।

अवैध शराब बेचते 3 लोग गिरफ्तार

नारनौल। थाना शहर महेंद्रगढ़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए रिवासा पुल के नीचे से एक युवक को काबू किया। जिसकी पहचान अमित वासी सिसोठ के रूप में हुई, जिसके कब्जे से पुलिस ने प्लास्टिक के कट्टे में 13 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। वहीं दो अन्य कार्रवाई थाना निजामपुर पुलिस द्वारा की गई। निजामपुर पुलिस की एक टीम ने गांव सैदअलीपुर मोड़ के पास नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार अशोक कुमार वासी सहबाजपुर को काबू किया।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नारनौल। बाबा साहेब अम्बेडकर स्मारक स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने की। यह प्रदर्शन भाजपा सरकार की ओर से मनरेगा के नाम में परिवर्तन कर विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण करने के खिलाफ किया गया। जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव ने हमला बोला है।

ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर विलंब से चल रही

दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर को सादुलपुर के रास्ते हिसार तक विस्तारित करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव व लगभग हर रोज अत्यधिक विलंब से चल रही 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर के स्थान पर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर का विस्तार रेवाड़ी से सादुलपुर के रास्ते हिसार तक विस्तार किए जाने की मांग को लेकर सतनाली रेल सेवा समिति के नेतृत्व में महाप्रबंधक के सतनाली स्टेशन अधीक्षक को अलग अलग ज्ञापन सौंपे। सतनाली रेल सेवा समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत के नेतृत्व में जीएम जयपुर के नाम स्टेशन

सतनाली मंडी। स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

अधीक्षक डीएस स्वामी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर वर्तमान में अत्यधिक विलंब से चल रही है तथा अपने गंतव्य तक पहुंचने में लगभग दोगुना समय ले रही है। इसके कारण यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन के पश्चात इस पैसेंजर ट्रेन का समय और भी प्रतिकूल हो गया है, जिससे यात्रियों की संख्या में कमी आई है और सेवा का उपयोग घट गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग पर एक समयबद्ध और सुगम ट्रेन की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। ट्रेन नंबर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर अत्यंत समयबद्ध व सुचारू रूप से संचालित हो रही है। यदि इस ट्रेन का विस्तार रेवाड़ी से आगे लोहारू सादुलपुर होकर हिसार तक कर दिया जाए, तो यह यात्रियों के लिए एक अत्यंत उपयोगी विकल्प सिद्ध होगी और मौजूदा 54309/10 की प्रतिकूल समयसारणी से उत्पन्न समस्या का समाधान भी हो जाएगा। उन्होंने यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर के स्थान पर ट्रेन नंबर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर का विस्तार रेवाड़ी से सतनाली-लोहारू-सादुलपुर के रास्ते हिसार तक करने की मांग की।

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया

इसके अलावा जीएम के नाम सौंपे दूसरे ज्ञापन में बताया कि उपतहसील मुख्यालय सतनाली हरियाणा व राजस्थान के 80 सैनिक बाहुल्य गांवों का मुख्य रेलवे स्टेशन है और यहां से प्रतिदिन भारी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। स्टेशन पर कुछ ही ट्रेनों का ठहराव है। जिनसे उल्लेखनीय यात्री भार के बावजूद अनेक एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया गया है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में ट्रेन नंबर 22471/72 दिल्ली लालगढ़-इंटरसिटी, ट्रेन नंबर 19701/02, दिल्ली-सरायरोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस व ट्रेन नंबर 14713/14 दिल्ली सराय-सीकर एक्सप्रेस का ठहराव करने की मांग करते हुए बताया कि इन ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ती होगी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन की प्रति सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, महाप्रबंधकए उत्तर रेलवे नई दिल्ली व मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर को भी प्रेषित की गई है।

विजेता टीम को दो लाख से अधिक व आधा किलो चांदी का मिलेगा कप

गांव पाली में क्रिकेट महाकुंभ 31 दिसंबर से होगा शुरू

बाबा जयराम दास का महान मेला 14 जनवरी को होगी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव पाली में क्रिकेट महाकुंभ 31 दिसम्बर से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान खेल स्टेडियम में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। क्रिकेट महाकुंभ को लेकर कमेटी सदस्यों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्रिकेट में विजेता टीम को कमेटी की ओर से आर्कषक इनाम दिया जाएगा।

बता दें कि गांव पाली में हर वर्ष बाबा जयराम दास का मेले का आयोजन किया जाता हैं। इसी उपलक्ष्य में जिले में यहां सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता होती हैं। इस क्रिकेट महाकुंभ में देशभर से अनेक क्रिकेटर खिलाड़ी हिस्सा ले चुके है। पाली के इस खेल स्टेडियम में 2007 में हुए 20–20 क्रिकेट वर्ल्डकप मुकाबले में इंडिया टीम को जीत दिलाने वाले

महेंद्रगढ़। बाबा जयराम दास का मंदिर। फोटो : हरिभूमि

जोगेंद्र शर्मा भी खेल चुके हैं। इसके अलावा आईपीएल के अनेक खिलाड़ी यहां आ चुके है।

कई प्रतियोगिताएं होगी

गांव पाली स्थित बाबा जयराम दास का महान मेला 14 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। परमहंस बाबा जयरामदास महाराज का मेला 77वीं बार बाबा जयरामदास मंदिर कमेटी की देखरेख में किया जाएगा। इस दौरान मेले के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। मेले में क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, नेशनल लड़के और लड़कियों आयोजित की जाएगी। इसके अलावा गोला फैंक, लंबी कूद व दौड़ प्रतियोगि भी होगी। लड़कियों की कबड्डी 13 जनवरी को प्रातः 10 बजे शुरू होगी। क्रिकेट प्रतियोगिता 31 दिसम्बर से प्रारंभ कर दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त कबड्डी लड़कियों की 13 व 14 दिसबंर को, वॉलीबॉल 14 जनवरी से, कुश्ती प्रतियोगिता 14 जनवरी को आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा दौड़ 100, 200, 400, 800, 1600, 3000, 5000, लड़कियों की दौड़ 100 से 3000 मीटर तक की होगी एवं बच्चों व बुजुर्ग की भी दौड़ होगी, लम्बी कूद, 12 जनवरी प्रातः नौ बजे बाबा जयरामदास स्टेडियम पाली में करवाई जाएंगी! प्रतोगिता में विजेता खिलाड़ी को आर्कषक इनाम दिया जाएगा।

खिलाड़ियों के लिए रहेंगा इनाम

कुश्ती 500, 1100, 2100, 3100, 5100, 11000, 21000, 31000, 51000 रुपये तक की होगी। कुश्ती में बराबर रहने पर कोई भी इनाम नहीं दी जाएगा। एथलेटिक्स का इनाम 1500 से लेकर के 6100 तक का होगा। वालीबॉल विजेता टीम को 51000 रुपये व उपविजेता टीम को 31000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा कबड्डी नेशनल में प्रथम विजेता टीम को एक लाख इक्कीस हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 81000 रुपये व सभी विजेता टीमों को बीजेआरडी ट्रॉफी दी जाएगी। लड़कियों की कबड्डी का प्रथम ईनाम 51000 एवं उप विजेता 31000 रुपये इनाम दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल पुरूष को सेमीफइनल में हारने वाली दोनों टीम को 11000-11000 दिए जाएंगे। इसके अलावा महिला प्रतियोगिता में 5100-5100 रुपये रुपए दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल में फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों को किट दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल लड़कियों के किट एवं एथलेटिक्स के किट दिए जाएंगे। कबड्डी तथा वॉलीबॉल की विजेता टीम के बेस्ट प्लेयर को 5100ङ्क5100 रुपये नकद दिए जाएंगे। वॉलीबॉल में फाइनल मैच में दोनों टीमों को ट्रैकसूट व किट दिए जाएंगे।

क्रिकेट में यह रहेंगा इनाम

क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को दो लाख एक हजार व आधा किलो चांदी का कप तथा उपविजेता टीम को एक लाख इक्कीस हजार व 250 ग्राम चांदी का कप दिया जाएगा। क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज को बाइक दी जाएगी। क्रिकेट प्रथम व द्वितीय विजेता टीम को चांदी के मेडल दिए जाएंगे। क्रिकेट सेमीफइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 11000-11000 रुपये दिए जाएंगे। क्रिकेट मैन ऑफ द मैच फाइनल में 11000 रूपये तथा सेमीफाइनल में 5100 -5100 रुपये दिए जाएंगे। क्रिकेट के मैच लीग के आधार पर खेले जाएंगे। क्रिकेट बेस्ट बॉलर और बेस्ट बल्लेबाज को 5100-5100 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा क्रिकेट बेस्ट फील्डर को 5100 रुपये दिए जाएंगे।

रेवाड़ी। हॉफ मैराथन में भाग लेते हुए जिलावासी। फोटो : हरिभूमि

21.1 किलोमीटर श्रेणी में रामिकेश व कविता बने विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

■ हॉफ मैराथन में जोश के साथ दौड़े धावक

रविवार को शहर में हॉफ मैराथन का के सातवें संस्करण का आयोजन जीएलएच पब्लिक स्कूल से किया गया। मैराथन में स्पॉन्सर के रूप में होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल रेवाड़ी एवं नीमराना ने सहयोग दिया। आयोजन में कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों ने भी भागीदारी निभाई। मैराथन का आयोजन माइल्स टू एजुकेट सोसाइटी एवं टीम आर-4 द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए धन एकत्रित करना है। मैराथन में 2800 धावकों ने तीन श्रेणियों 5 किमी, 10.5 किमी और 21.1 किलोमीटर रेस में भाग लिया। सोसायटी के अध्यक्ष सचिन शर्मा ने बताया कि माइल्स टू एजुकेट हर वर्ष यह मैराथन आयोजित करती है और वर्तमान में लगभग 450 छात्र इस पहल के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। संस्था के सचिव डा. अरुण गुप्ता ने कहा कि इसके अलावा 60 से अधिक बच्चे रेवाड़ी के विभिन्न स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में पढ़ रहे हैं, जिनका पूरा खर्च संस्था उठाती है। इस अवसर पर पावर बाय स्पॉन्सर डा. अनिरुद्ध सचदेवा ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। 21.1 किमी श्रेणी में प्रथम स्थान पर रामिकेश व कविता को 31,000, द्वितीय स्थान पर शाहरुख खान एवं हिमांशु सरोवा को 21,000 तथा तृतीय स्थान पर विवेक एवं सरिता को 11,000 का पुरस्कार दिया गया। 10.5 किमी श्रेणी में प्रथम स्थान पर रोहित एवं मोनिका को 21,000, द्वितीय स्थान पर हेमंत एवं अंकिता को 11,000 तथा तृतीय स्थान पर मोहन एवं पल्लवी को 5100 का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण संस्था के कोषाध्यक्ष परमप्रीत ने किया।

ओमसाइंराम स्कूल में गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल स्कूल में गीता जयंती के उपलक्ष में गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस्कॉन बहादुरगढ़ मंदिर के अध्यक्ष नित्यानंद आश्रय की अध्यक्षता में आयोजित गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता की टीम में मोहिनी सीतादेवी दासी, अंतरंगा माधवी माताजी, प्रभु देवेन्द्र नाथ और जगमोहन ब्रजेश्वर प्रभु, सत्य गोपाल दास विशेष तौर से शामिल रहे। इनके द्वारा 10 दिनों तक गीता ज्ञान की कक्षाएं लगाई गई और 11वें दिन परीक्षा ली गई, जिसमें विद्यालय के लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। घोषित परीणाम के अनुसार 13 बच्चों की मैरिट आई, जिनमें भैरव, अनीश, आवेश प्रथम स्थान पर रहे, जबकि संगम, प्रतीक, अमन, विनीत, पार्थ, उदिति द्वितीय स्थान पर रहे तथा रोनक, खुशी और रक्षिता तीसरे स्थान पर रहे।

खो-खो में हिमांशी की टीम ने मारी बाजी, आस्था स्कूल में मनाया गया खेल दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुंड

बास दुधा के आस्था पब्लिक स्कूल में रविवार को खेल दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं को आयोजन किया गया। खो-खो प्रतियोगिता में हिमांशी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। खेलों का शुभारंभ कोलाना के सरपंच राजीव यादव ने किया। आसपास के कई गांवों के पंचायत प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय की छात्राओं ने डांस और संगीत से की। चौथी से सातवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने संगीत योग का आकर्षक नजारा पेश किया। बच्चों ने खेल का लुफ्त उठाया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 100 मीटर की दौड़ में रजत प्रथम, 200 मीटर में कुणाल प्रथम व लड़कियों में रितिका प्रथम स्थान पर रही। हितेश ने शॉर्टपुट में पहला स्थान हासिल किया। योग में अविनय पहला व ज्योति ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बच्चों का बढ़ाया सीईओ ने मनोबल

इस मौके पर स्कूल के सीईओ संजय और संचालक शेरसिंह ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेलों से शरीर और मस्तिष्क दोनों का विकास होता है। इस मौके पर प्राचार्य सुनीता राव, गोपेश उपाध्याय, हरकेश, सुधांशु, तरुण, संदीप, रेनू, अशोक, पूजा, नेहा, सुषमा व सीमा सहित स्कूल स्टाफ और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव धनौंदा स्थित ब्रिलिएंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रार्थना सभा में महिला एवं बाल कल्याण विभाग से पहुंचीं वरिष्ठ कार्यकर्ता सत्या देवी और कमलेश देवी ने विद्यार्थियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 के बारे में बताया तथा सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई। इस दौरान दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रथम प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं की टीम ब्रिलिएंट स्टार्स ने प्रथम, कक्षा 12वीं की टीम भव्या टाइटंस ने द्वितीय तथा कक्षा सातवीं की टीम महाराणा प्रताप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में बेस्ट टीम लोगो डिजाइनिंग का अवार्ड भव्या टाइटंस टीम को मिला। दूसरी प्रतियोगिता में टीम ब्रह्मास्त्र ने प्रथम, टीम डॉटर्स आफ विक्ट्री तथा टीम ब्रिलिएंट स्टार्स ने द्वितीय व टीम इंडियन वॉरियर्स तथा टीम भगतसिंह ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का बेस्ट टीम लोगो डिजाइनिंग का अवार्ड टीम ब्रह्मास्त्र को दिया गया। मंच संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक प्रहलाद सिंह ने किया। इस अवसर पर आशुतोष शास्त्री, सत्येंद्र सिंह, नरेंद्र कौशिक, सतीश कुमार, प्रवीण शर्मा, नवीन जांगड़ा, मुकेश यादव, शीतल, रेनू यादव, पूजा, शिवानी, स्मृति, ज्योति, शन्नो देवी सहित स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। शपथ लेते हुए ब्रिलिएंट स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्कृति का अनुसरण करें: डॉ. सत्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी के सामाजिक संगठनों ने हाइकोर्ट के एडवोकेट डॉ. सत्यपाल यादव की अगुवाई में जंतर मंतर पर बैठक का आयोजन किया। जिसमें महामंडलेश्वर आचार्य आनंद गिरी महाराज, ऋषि पुत्र सुबेसिंह, सतबीर सिंह, जितेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने इंडिया गेट से जंतर मंतर तक रोष प्रदर्शन करके प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिसमें धार्मिक व जातीय तनाव को खत्म करके शास्त्रों पर आधारित संस्कृति को बढ़ावा देने की गुहार लगाई है। एडवोकेट सत्यपाल यादव ने बताया कि शास्त्र ही भारतीय संस्कृति की पहचान होते हैं, लेकिन अधिकांश लोगों को शास्त्रों का पूर्ण ज्ञान नहीं और तर्कहीन प्रचार करके समाज में धर्म, जाति व समाजिक विवादों को जन्म देते हैं।

गैंगरेप मामला डीएसपी को सौंपा

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी के एक गांव की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप का मामला डीएसपी को सौंपा गया है। जिन्होंने तीसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दाबिश अभियान तेज कर दिया है। साथ ही वारदात स्थल का निरीक्षण करके विभिन्न साक्ष्य जुटाए गए हैं। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। आपको बता दें कि तीन दिन पहले कॉलेज के लिए घर से निकली एक छात्रा का रास्ते में ही अपहरण कर लिया गया। जिसे निजामपुर रोड पर स्थिति धोली पहाड़ी के पास तीन युवकों ने बारी बारी से दुष्कर्म किया है। घटना को अंजाम देते समय पीड़िता को जाति सूचक गाली तथा किसी को बताने पर परिवार समेत जानलेवा धमकी दी गई। दुष्कर्म के बाद पीड़ित छात्रा को निजामपुर रोड पर एक होटल के सामने छोड़ दिया गया। यहां से घर पहुंची छात्रा ने परिजनों को पूरा वृतांत बताया है। पीड़िता के चाचा की शिकायत पर अमल करती हुई पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। तीसरे आरोपित की तलाशी के लिए डीएसपी की अगुवाई में दाबिश अभियान चलाया गया है।

नेकी की दीवार: 2 कन्याओं का किया कन्यादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर की प्रमुख सामाजिक एवं अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने अपनी मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत जैन बेग हाउस पर कन्यादान समारोह का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि तुलसी गोयल पूर्व कोषाध्यक्ष अग्रवाल सभा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमांशु

नारनौल। कन्या की शादी में दिया सामान व ग्रुप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संघी, मनीष गोगिया ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर बहनों की शादी अच्छे से हो सके, इसलिए बेटियों को 51 बर्तन सेट, मिल्टन थर्मस, मिल्टन बॉटल, लेडीज पर्स, मिल्टन कैम्पर, इलेक्ट्रिक रोड, कार्डिगन, सीनरी, 501 रुपये कन्यादान व अन्य घरेलू समान उपहार सहित दिया। कार्यक्रम संयोजक संदीप जैन ने बताया कि हमारे पास आने वाले परिवार की हर संभव मदद की जाती है। मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था की ओर से अब तक 453 कन्यादान किए जा चुके है। उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया के 50वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यादव सभा चुनाव मामले के समाधान के लिए बनी कमेटी

महेंद्रगढ़। शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में रविवार को हुड्डा पार्क में यादव समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सूबेदार रामस्वरूप यादव ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य यादव समाज की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करना तथा चुनाव को लेकर उठे विवाद का समाधान करना रहा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समाज हित में अपने-अपने विचार रखे और संगठन को एकजुट रखने पर बल दिया। चर्चा के दौरान समाज में व्याप्त समस्याओं, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक विकास एवं संगठनात्मक मजबूती जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में यादव सभा में चल रहे विवाद के समाधान के लिए 11सदस्यीय कमेटी का गठन किया, जिसमें डॉक्टर जेपी यादव को अध्यक्ष व डॉक्टर योगेन्द्र यादव को उपाध्यक्ष बनाया गया।

खबर संक्षेप

यादव सभा के फ्री कैंप में 130 मरीजों की हुई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सकों ने कैंप में 130 मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान करते हुए फ्री दवाइयां वितरित की। शिविर में डा. रवि राव ने मेडिसन, डा. प्रशांत यादव ने हड्डी रोग, डा. प्रद्युम्न यादव ने सर्जरी मूत्र रोग, डा. निशा यादव ने नेत्र रोग व डा. कोमल यादव ने दंत रोग के रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। इनके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव फिजियोथेरेपी के लिए उपलब्ध थे। कैंप के आयोजन में अमर सिंह, राम सिंह, गोकलराम, प्रो. सतीश यादव व अशोक ने सहयोग दिया।

मेंटेनेंस कार्य के कारण आज दो घंटे बिजली बाधित

कोसली। कोसली सब डिवीजन के 33केवी खुशपुरा पावर हाउस में 22 दिसंबर को मेंटेनेंस कार्य के कारण बिजली सप्लाई दो घंटे बाधित रहेगी। पावर हाउस इंचार्ज चंद्रजीत एसएसए ने बताया कि सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इस कारण 11केवी नांगल पठानी डीएस, दड़ौली एपी, बाबड़ोली एपी, फतेहपुरी डीएस, खुशपुरा डीएस, खुशपुरा एपी, बालधन एपी व जलापूर्ति फीडरों की सप्लाई बाधित रहेगी।

इस सप्ताह परिवर्तनशील बना रहेगा मौसम, बूंदाबांदी होने की जताई जा रही संभावना

पहली बार सीजन का घना कोहरा वाहनों की रफ्तार पर लगे ब्रेक

सूर्यदेव गायब रहने से ठिठुरन बढ़ी, 8 डिग्री तापमान गिरने से सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा रविवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बावल चौक के पास गर्म कपड़े खरीदती महिलाएं, रविवार सुबह कोहरे में लिपटी नई अनाजमंडी तथा बाईपास से कोहरे में लाइट जलाकर गुजरते वाहन।

दिसंबर माह के अंत में मौसम का मिजाज ठंडा पड़ना शुरू हो गया है। सीजन में पहली बार घना कोहरा छाने से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार जहां धीमी रही, वहीं ट्रेनों के संचालन पर भी कोहरे का असर देखने को मिला। कोहरे के आगोश में सूर्यदेव के समाने के बाद रविवार का दिन इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। इस सप्ताह मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। सप्ताह में बूंदाबांदी के आसार भी बन रहे हैं।

रविवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की विजिबिलिटी 500 मीटर तक रही। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार मंद पड़ गई। नेशनल हाइवे पर वाहन चालक दिन में भी लाइटें जलाकर एक-दूसरे के पीछे चलते हुए नजर आए। अभी तक दिन के समय आसमान साफ रहने के कारण लोगों को सूरज की तपिश का सामना करना पड़ रहा था। सीजन में पहली बार सूरज कोहरे के आगोश में समाया रहा, जिससे कड़ाके की ठंड ने दोपहर के समय भी उपस्थिति दर्ज कराई। कोहरा शुरू होते ही ठिठुरन बढ़ गई है। अधिकतम तापमान 8 डिग्री की गिरावट के साथ 15.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 4 डिग्री की वृद्धि के साथ 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हवा में नमी का स्तर 82 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि हवा की गति 6 किमी प्रति घंटा तक रही। ठंड बढ़ने के साथ ही सामान्य जनजीवन पर इसका असर पड़ना शुरू हो गया है। बाजार से लेकर सड़कों तक भीड़ में कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। आसमान में बादल छाने और बूंदाबांदी की संभावना भी जताई जा रही है। माह के अंत तक कोहरा और गहरा सकता है। कड़ाके की ठंड अब जमकर परेशान करेगी।

अब गरमाएगा गर्म कपड़ों का बाजार

दुकानों से लेकर गर्म कपड़ों की फड़ और रेहड़ियां लगाने वाले दुकानदारों को मौसम ने अभी तक निराश किया हुआ था। दिन के समय गर्म मौसम के चलते ठंड के कपड़ों की मांग जोर नहीं पकड़ रही थी। मौसम ठंडा पड़ने से गर्म कपड़ों का बाजार गरमाने की संभावना बन गई है। दिन में ठंड का प्रकोप शुरू होने के बाद बिजली के उपकरणों की मांग भी बढ़ेगी। हीटर और रूम हीटर सहित अन्य उपकरणों की बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है।

प्रदूषण का खतरा ठंड के साथ बढ़ा

दिसंबर माह में प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा है। ठंड बढ़ने के साथ ही एक्यूआई में वृद्धि होने की आशंका बनी हुई है। पहले ही आसमान में धुएं और धूल की चादर छाने से लोग दूषित हवा का सामना कर रहे हैं। हालांकि रविवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई 200 के आसपास दर्ज किया गया, लेकिन ठंड बढ़ने से इसके 400 तक पहुंचने के आसार हैं। हवा में नमी और कम गति के कारण प्रदूषण के कारक तत्व जमीन के आसपास ही मंडराते हैं, जिस कारण प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है।

करना पड़ेगा पावर कटों का सामना

ठंड बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत भी बढ़नी शुरू हो गई है। अभी तक जिले में बिजली की दैनिक खपत 70 लाख यूनिट के आसपास चल रही थी। ठंड बढ़ने से बिजली की खपत में तेजी से वृद्धि की संभावना है। हीटर व बिजली के दूसरे उपकरणों का इस्तेमाल शुरू होने के बाद घरेलू क्षेत्र में बिजली की मांग बढ़ेगी। आने वाले दिनों में बिजली की खपत 1 करोड़ यूनिट तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। पीक अवर्स में अभी से पावर कट लगने शुरू हो गए हैं, जिनमें आने वाले दिनों में और वृद्धि हो सकती है।

फसलों को मिलेगा मौसम से फायदा

अभी तक दिन के समय मौसम का मिजाज गर्म रहने और दिन-रात के तापमान में अधिक अंतर बना रहने से रबी फसलों को नुकसान की आशंका बनी हुई थी। सरसों और गेहूं की फसलों को इस समय ठंड की ज्यादा जरूरत होती है। कोहरा शुरू होने और दिन के समय ठंड बढ़ने से दोनों फसलों को अच्छा फायदा मिलेगा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में योग ध्यान की मुद्रा में आईजीयू स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

विश्व ध्यान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से रविवार को विश्व ध्यान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. रोमिका बत्रा ने शिरकत की। कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी के नेतृत्व एवं विभागाध्यक्ष डा. श्रुति के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया। इस मौके पर सहायक प्राध्यापक डा. जयपाल सिंह राजपूत ने बताया कि विभाग समय-समय पर शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास सुनिश्चित करता है। डा. अमनदीप ने ध्यान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दैनिक कार्यों में सचेत रहना सामान्य है, किंतु योग में ध्यान आत्मा का श्रेष्ठ विचारों के सान्निध्य में स्नान स्वतः घटित होने वाली आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

डा. धर्मबीर यादव ने विश्व ध्यान दिवस का ऐतिहासिक परिचय देते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 6 दिसंबर 2024 को इसे प्रतिवर्ष 21 दिसंबर को मनाने की घोषणा की। इस दिन का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।

प्रवीण कुमार ने बताया कि पृथ्वी के अक्षीय झुकाव के कारण यह उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे छोटा दिन होता है। यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को साकार करने में सहायक है, जो सभी आयु वर्गों के लिए स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है। योग प्रशिक्षक अमित कुमार ने सभी को ध्यान के निर्देश दिए। डा. अमनदीप ने कुलपति, कुलसचिव, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

योगः स्वास्थ्य के साथ जीवन सफलता प्रदान करेगा

विशेष अतिथि प्रो. रोमिका बत्रा ने कहा कि ध्यान वसुधैव कुटुम्बकम् के संदेश को वैश्विक शांति, सहिष्णुता एवं समग्र कल्याण तक पहुंचाता है। योग अध्ययन का यह अवसर सभी को शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के साथ जीवन सफलता प्रदान करेगा। विद्यार्थी भारत के भविष्य हैं, सबल, स्वस्थ एवं श्रेष्ठ विचारों से युक्त होकर वे श्रेष्ठ भारत की संकल्पना अवश्य साकार करेंगे।

सहायक उपकरण वितरण के लिए गवर्नमेंट स्कूल कोसली में जांच शिविर आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिले में 22 से 24 दिसंबर तक जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में पात्र पाए गए दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला रेडक्रॉस सोसायटी सचिव बिजेंद्र सौरोत ने बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडीआईपी योजना के तहत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर के सहायक उत्पादन केंद्र नई दिल्ली के सौजन्य से पात्र वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण दिए जाएंगे। इसके लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नजदीक स्टेडियम कोसली और बीडीपीओ कार्यालय जाटूसाना, 23 दिसंबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड खोल और बीडीपीओ कार्यालय खंड डहीना तथा 24 दिसंबर को कम्युनिटी हॉल मॉडल टाउन रेवाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावल में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों के लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

सहायक उपकरण करवाए जाएंगे उपलब्ध

जांच शिविरों में पात्र पाए गए लाभार्थियों को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को कानपुर की ओर से भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए वॉकर, व्हीलचेयर, कान की मशीन, घड़ी, व्हीलचेयर कमोड सहित, सिलिकॉन फोन तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल स्पोर्ट, सरवाइकल कॉलर व फुट केयर किट इत्यादि सहायक यंत्र एवं उपकरण दिए जाएंगे। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एडीआईपी योजना के तहत दिव्यांग जनों को बैट्री द्वारा चालित तिपहिया साइकिल, पहिया कुर्सी, बैसाखी कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना निभाएगी अहम भूमिका : उपायुक्त

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने जिले के औद्योगिक संस्थानों से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे और उद्योगों को कार्यबल सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। डीसी ने बताया कि केंद्रीय मंत्रीमंडल की ओर से स्वीकृत रोजगार आधारित प्रोत्साहन योजना को 1 अगस्त 2025 से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के रूप में लागू किया गया है। विकसित भारत पहल के अनुरूप तैयार की गई यह योजना देशभर में समावेशी एवं स्थायी रोजगार अवसरों के सृजन में सहायक सिद्ध होगी।

मधुमक्खी पालन से अतिरिक्त आय कमा सकते हैं किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

चौधरी चरण सिंह कृषि विज्ञान केंद्र बावल में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा. बलबीर सिंह ने बताया कि 16 से 22 दिसंबर तक मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य नरेश कौशिक ने किया। डा. बलबीर ने बताया शिविर में रोजाना अलग-अलग गांवों के 30 किसान भाग ले रहे है। शिविर में हिसार से कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने किसानों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी दी। किसानों को इससे होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। डा. सुरेंद्र व डा. भूपेंद्र ने किसानों को मधुमक्खी पालन की अलग-अलग विधाओं के बारे में जानकारी दी। डा. बलबीर ने बताया कि जिले में 75 हजार हेक्टेयर भूमि में सरसों की फसल बिजाई गई है, जोकि मधुमक्खी पालन व्यवसाय के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि कृषि के अतिरिक्त किसान मधुमक्खी पालन करके भी अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। जिससे किसान को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसान मधुमक्खी पालन करके शहद, पोलन व मोम बेचकर किसान खेती के अलावा अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

खबर संक्षेप

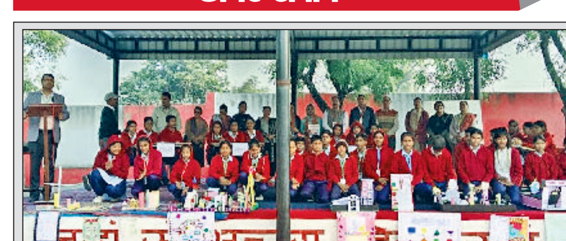

सीहा स्कूल में गणित प्रश्नोत्तरी आयोजित तीनों वर्गों में अरावली सदन बनी विजेता

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में गणित सप्ताह के अंतर्गत चल रही विभिन्न गतिविधियों के तहत गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। रामानुजन गणित क्लब के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में अरावली सदन विजेता रहा। गांव सीहा की सरपंच सरिता यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सत्यवीर नाहड़ियि ने की तथा छात्रा अध्यापिका दीपिका यादव ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया। विद्यालय के स्टाफ उप सचिव शशि कपूर ने बताया कि सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर तीनों वर्गों में अरावली सदन की टीमों ने विजेता रहकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सब जूनियर में हिमालय सदन, जूनियर में नीलगिरि सदन तथा सीनियर में शिवालिक सदन उपविजेता रहे। गणित प्राध्यापक दिनेश कुमार, सतपाल सिंह व शक्ति सिंह ने क्विज मास्टर तथा अध्यापिका मंजू शर्मा व रेखा यादव ने स्कोरर की भूमिका निभाई। इस अवसर पर गणित विषय पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर प्राचार्य नाहड़ियि ने गणित के रोचक तथ्यों को रेखांकित किया, वहीं सरपंच सरिता यादव ने आयोजन को बेहद रचनात्मक पक्ष बताया। वरिष्ठ अध्यापिका अलका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बीकानेर स्कूल में विश्व ध्यान दिवस पर योगा कार्यक्रम का आयोजन

रेवाड़ी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मनोज कुमार ने की। इस मौके पर कार्यक्रम प्रभारी अध्यापक मुकेश कुमार ने कहा कि विश्व ध्यान दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को मानसिक शांति, स्वास्थ्य और आत्म जागरूकता के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि ध्यान दिमाग को शांत करने, तनाव कम करने तथा एकाग्रता बढाने में काफी मददगार साबित होता है। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य के मार्दशन में योग शिक्षक धर्मवीर आर्य ने गायत्री मंत्र के साथ ध्यान व योग प्राणायाम के अभ्यास सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी को योगिंग-जोगिंग सहित योग प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग प्राणायाम के नियमित अभ्यास से हम अपने तन मन को स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने योग प्राणायाम के साथ सूर्य नमस्कार, ताड़ासन व वृक्षासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास कराते हुए उनके महत्व पर प्रकाश डाला। योग कक्षा की छात्राओं ने कठिन योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव 27 से 29 दिसंबर तक, युवा 25 तक कर सकते पंजीकरण

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत 27 से 29 दिसंबर तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुरुग्राम, रेवाड़ी एवं नूंह जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी भाग लेंगे। डीसी मीणा ने बताया कि खेल महोत्सव में प्रतिभागिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 दिसंबर है। उन्होंने बताया कि ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम, गुरुग्राम में एथलेटिक्स एवं बॉक्सिंग, राव तुलाराम खेल स्टेडियम रेवाड़ी में कबड्डी एनएस एवं फुटबॉल, अहीर कॉलेज रेवाड़ी में फुटबॉल, नेहरू खेल स्टेडियम सिविल लाइन गुरुग्राम में वालीबॉल, जूडों, जिम्नास्टिक एवं हॉकी, जबकि डीएवी पुलिस लाइन नूंह में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। डीसी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव फिट इंडिया अभियान और खेलो इंडिया की भावना को मजबूती प्रदान करेगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन लिंक पर 25 दिसंबर तक पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खेल महोत्सव के दौरान एथलेटिक्स, कबड्डी एनएस, फुटबॉल, वालीबॉल, हॉकी, कुश्ती, बॉक्सिंग, आर्चरी, जूडों एवं जिम्नास्टिक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में तीन हजार से अधिक लोगों ने करवाई नेत्र जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कैंप में लोगों आंखों की जांच करती डॉक्टर टीम तथा लोगों को संबोधित करते अतिथि व मौजूद के सदस्य।

श्री श्याम बहादुर सेवा समिति की ओर से रविवार को तकिया सराय में 19वें विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 3200 लोगों के आंखों की निःशुल्क जांच की गई। मंडल के प्रधान इंद्रजीत खंडेलवाल, महासचिव अनिल मित्तल व उप प्रधान हेमंत अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम बाबा की कृपा से यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता हैं। आंखों की जांच के लिए शनिवार को फ्री रजिस्ट्रेशन किए गए थे। गंगा देवी आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम में शामिल डा. प्रीति यादव, डा. विम्मी व डा. अनीता ने टीम के साथ मरीजों के आंखों की जांच की तथा कैंप में चयनित किए गए मरीजों के ऑपरेशन कराए जाएंगे। डॉक्टरों की टीम ने लोगों की आंखों की जांच की, जिसमें करीब 500 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया व 1500 से अधिक लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। कैंप में श्री श्याम बाबा का दरबार सजाया गया। मंडल के सदस्यों ने बाबा की ज्योत प्रज्वलित करके कैंप का शुभारंभ किया। कैंप में मुख्य रूप से विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के पुत्र निशांत यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डा.वंदना पोपली, नीतू चौधरी व प्रवीण शर्मा ने भी शिरकत की।

ये रहे मौजूद

कैंप में ललित कुमार, एडवोकेट दिलीप अरोड़ा, चंद्रशेखर गौतम, राकेश वत्स, परमजीत कालड़ा, अनमोल अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, अनिल कुमार, अनिल गंजू, सोमदत्त, ऋषभ, रविंद्र गोयल, भोलाराम, मुकेश सैनी, दीपेंद्र, राकेश अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, दिनेश राजपाल, अनिल भालिया एवं एडवोकेट सुभाष खुराना सहित मंडल के सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

युवराज ने विकसित भारत यंग लीडर्स प्रतियोगिता में नेशनल लेवल पर किया क्वालीफाई

रेवाड़ी। एसबीएस जोवियल चाइल्ड सीनियर सैकेंडरी स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र युवराज वशिष्ठ ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर क्वालीफाई किया है। मेधावी छात्र ने अपने माता-पिता, विद्यालय एवं जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है। 15 से 29 वर्ष की आयु के लाखों युवाओं की प्रतियोगिता में युवराज ने पहले 522, फिर 50 और फिर 8 प्रतिभागियों के कठिन दौर को पार करते हुए अंतिम 3 छात्रों में स्थान बनाया है। युवराज अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रतियोगिता के अगले चरण में चयनित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 के दौरान जनवरी माह में प्रगति मैदान भारत मंडपम नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त होगा। शहर के विकास नगर निवासी एडवोकेट राजेश वशिष्ठ का होनहार पुत्र युवराज पहले भी अनेक राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताओं में क्षेत्र का नाम रोशन कर चुका है। विद्यालय के निदेशकजितेन्द्र यादव, प्रधानाचार्या अनीता यादव, शिक्षक स्टाफ व सामाजिक संगठनों ने इस उपलब्धि पर युवराज को बधाई दी हैं।

कार्यक्रम | 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक के समय को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है

चार साहिबजादों के बलिदान जैसी मिसाल पूरी दुनिया में नहीं :डा. यादव

■ आज आवश्यकता है, इन वीर साहिबजादों के इतिहास को घरों में अपने बच्चों को बताने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के बलिदान की याद में साहिबजादों का बलिदान- ा मन कर रहा हिंदुस्तान कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आशियाना वृद्धाश्रम के प्रधान दिनेश राजपाल, डा. आत्मप्रकाश यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि सिखों के नवें गुरु तेग बहादुर जी, दशमेश पिता गुरु गोविंद सिंह जी व उनके चार साहिबजादों की तीन पीढ़ियों के बलिदान की दूसरी मिसाल पूरी दुनिया में नहीं मिलती है। दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह व जुझार सिंह दोनों गढ़ी चमकौर साहिब के भीषण युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए। छोटे दो साहिबजादे जोरावर सिंह व मात्र 7 वर्ष के फतेहसिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खां ने कैद कर लिया। इन्हें इस्लाम धर्म में आने के लिए अनेकों प्रलोभन दिए गए, लेकिन दोनों साहिबजादे अपने निश्चय पर अटल रहे। अंत में उन्हें जिंदा दीवारों में चिनवाने का आदेश हुआ। दोनों छोटे साहिबजादे हंसते-हंसते देश और धर्म के लिए कुर्बान हो गए। पंजाबी मार्केट कांपलेक्स ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान सरदार बलबीर सिंह मल्होत्रा, गुरु तेग बहादुर शहीदी जत्थे के संयोजक सरदार कश्मीर सिंह, शिक्षाविद डा. बलबीर सिंह व संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि पूरे देश में 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक के समय को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। महिला प्रधान निशा सीकरी, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज, शिक्षाविद मधु गुप्ता व पर्यावरणविद् प्रीति कपूर ने कहा कि आज आवश्यकता है, इन वीर साहिबजादों के इतिहास को घरों में अपने बच्चों को बताने की। इससे स्वाभाविक रूप से अपने बच्चों में वीरता के संस्कार बनेंगे। हैल्थ एंड वैलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को सर्दी के मौसम में स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए। अर्जुन नगर के 18 वर्षीय दिव्यांग नितिन कुमार को उसकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, रेवाड़ी ईकाई प्रमुख दयानंद आर्य, प्रेरणादायक वक्ता पंकज सैनी, समाजसेवी राजेंद्र गेरा व उपप्रधान हेमंत ग्रोवर को सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में डा. देवेंद्र कुमार, राहुल कालड़ा, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, समाजसेवी प्रमोद सैनी, राजेंद्र सिंह यादव, पुरूषोत्तम नंदवानी, सोनिया कपूर, पूर्वांशी, ओजस्वी व कपिल कपूर सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे।